

CAREER & EDUCATION

अमर उजाला

अज्ञान

वर्ष 09 | अंक 37 | बुधवार | 15 सितंबर 2021 | ₹1



डेटा साइंटिस्ट एक उभरता कैरियर

PAGE 03

कैरियर मंत्रा

कामयाबी उन्हीं के कदम चूमती है, जो बार-बार असफल होने के बाद भी प्रयासरत रहते हैं...



PAGE 10

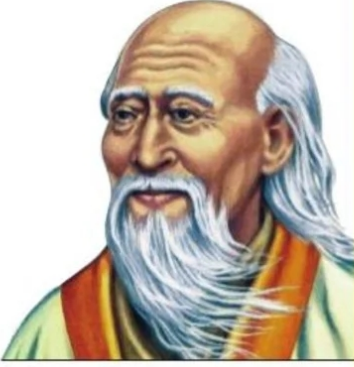


एजुकेशन

मैरीटाइम प्रबंधन क्षेत्र का कोर्स कर दुनिया भर में अवसरों की कमी नहीं होगी...

VISIT...

LANZAROTE
Caliente.COM



हजारों मील की यात्रा एक कदम के साथ
शुरू होती है। मेरे पास सिखाने के लिए
बस तीन बातें हैं: सादगी, धैर्य, दया। ये
तीनों बातें आपका सबसे बड़ा खजाना हैं।
- लाओत्से, महान चीनी दार्शनिक

स्वयं को पहचानकर ही मिल सकेगी कामयाबी

जीवन का लक्ष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हमने स्वयं के महत्व को कितना समझा और जाना है। यानी खुद को साबित करने के लिए स्वयं को जानना जरूरी है। जो स्वयं को नहीं जान पाया, तो समझ लीजिए कि वह जीवन के फलसफे को नहीं समझा है। जब व्यक्ति खुद के अंदर झांकता है, तो उसको अपनी वास्तविकता का पता चलता है और फिर आगे बढ़ने के लिए आत्मविश्वास जगता है। वह परिष्कृत होता है और स्वयं की प्रतिभा में भी निखार आता है। स्वयं को जानना एक निरंतर अभ्यास है, जिससे अपनी कमियों को दूर किया जा सकता है और अपनी अच्छाईयां उभारी जा सकती हैं, साथ ही जीवन के मनचाहे लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। यह जांचा परखा सत्य है कि स्वयं को जानने वाला व्यक्ति कभी असफल नहीं हो सकता। इसलिए हमको स्वयं को हर हाल में पहचानना होगा।

अगर हम स्वयं को नहीं पहचानेंगे तो फिर जीवन और उससे जुड़े लक्ष्यों के साथ हम पूरी तरह से न्याय ही नहीं कर पाएंगे। जब हम स्वयं के महत्व को समझेंगे तो तब ही लक्ष्य तय करने में आसानी होगी। स्वयं को जानना ही जीवन की राह को सरल बनाने का कार्य करता है। स्वयं के महत्व को जानने से जीवन का मूल्य बढ़ जाता है। अपनी वास्तविक क्षमताओं का ज्ञान होता है।

जीवन के लक्ष्य को तय करते समय सदैव अपनी क्षमताओं और अपेक्षाओं का ध्यान रखना चाहिए। अपेक्षा ऐसी भी न हो कि जो लक्ष्य में बाधा बने, तो ऐसी भी न हो कि लक्ष्य को ही महत्वहीन बना दे। स्वयं को समझेंगे तो हमारी अपेक्षाएं भी बड़ी होंगी। ऐसे में कठिन परिश्रम के साथ आगे बढ़ने के उत्साह आएगा। स्वयं के महत्व से ही जीवन की दौड़ पूरी होती है। बिना इसके जाने हमारी यात्रा ही अधूरी रह जाएगी। इसलिए कामयाबी के लिए यह जरूरी है कि हम पहले स्वयं को पहचानें और फिर आगे की ओर बढ़ें।



अ
अमर उजाला

समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेसन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com



बिना घबराए सीखें और आगे बढ़ें

कामयाब लोग अपने सपनों को साकार करने की दिशा में कई बार असफल होते हैं, फिर भी वे प्रयास करना नहीं छोड़ते...

महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडीसन के बारे में कहा जाता है कि जब वे बिजली के बल्ब के आविष्कार पर कार्य कर रहे थे, तो इस प्रयास में वे कई बार असफल हुए। किंतु उन्होंने हार नहीं मानी और बिजली के बल्ब के ईजाद की दिशा में सफल होने तक निरंतर प्रयास करते रहे। जब उनके दोस्तों ने एडीसन की इन असफलताओं और असफल प्रयासों में हुए समय की बरवादी के बारे में उनसे पूछा तो उन्होंने कहा था, "मैं बिजली के बल्ब बनाने में असफल नहीं हुआ हूँ और न ही इन सभी असफल प्रयासों में मेरा कीमती वक्त जाया हुआ है। बल्कि इन असफलताओं ने मुझे यह सिखाया है कि उन सभी तरीकों से बिजली के बल्ब नहीं बनाये जा सकते हैं।" सच पूछिए तो असफलताओं के बारे में एडीसन के जीवन की इस फिलॉसफी में मानव जीवन में सफलता प्राप्त करने का एक अमूल्य रहस्य छुपा हुआ है और वह यह है कि विफलता ही कामयाबी की राहें प्रशस्त करती हैं। आशय यही है कि सफल होने की कोशिश में मिली पहली असफलता के बाद ही यदि हम हार मानकर बैठ जाएं तो हम कामयाब नहीं हो सकते हैं।

कठोर परिश्रम का कोई विकल्प नहीं
सफल प्रॉफेशनल्स का संपूर्ण जीवन कठिन परिश्रम और साधना का होता है। सफल होने की राहें बेशुमार कठिनाईयों और चुनौतियों से भरी होती हैं। कामयाबी हासिल करने के लिए संघर्ष और त्याग की दरकार होती है। इसीलिए यदि आप सफलता के मुरीद हैं तो आपको सही दिशा में सतत मेहनत करनी पड़ेगी। जीवन में हमेशा यह याद रखिए कि सफलता का कोई शॉर्ट-कट नहीं होता है।

बेसिक्स को जानें और अभ्यास करें
मानव ज्ञान के किसी भी विधा के बेसिक्स पर मास्टरी से आत्मविश्वास बढ़ता है जो सफल होने में महती भूमिका निभाता है। लिहाजा जब आप अपने किसी मुकाम में असफल हो जाएं तो खुद से यह प्रश्न जरूर पूछें कि कहीं आपने उस विधा के बेसिक्स की अनदेखी तो नहीं कर दी है। प्रसिद्ध अमेरिकी पूर्व बास्केटबॉल प्लेयर माइकल जॉर्डन ने कहा था, "मैं अपने जीवन में लगभग 9000 शॉट्स में असफल हुआ हूँ, 300 गेम्स हारा हूँ। मैं 26 बार जीतते-जीतते पराजित हुआ हूँ और यही कारण है कि मैं अंततः सफल हो पाया हूँ।"



श्रीप्रकाश शर्मा
कॅरिअर सलाहकार

विफलता की वजह प्रतिभा की कमी नहीं है

मानव स्वभाव है कि असफलता की स्थिति में हम अक्सर खुद की काबिलियत पर शक करने लगते हैं और खुद को अयोग्य मान लेते हैं। सच पूछिए तो सफलता प्राप्ति की राह में यह सोच काफी खतरनाक है। असफलता का सीधा-सा अर्थ यही है कि किसी विशेष डोमेन में सफल होने के लिए तैयारी मुकम्मल रूप से नहीं की गयी थी। इसका अर्थ कभी भी यह नहीं है कि आपमें कामयाब होने के लिए प्रतिभा का अभाव है।

कमियों की सच्चे दिल से तलाश करें

हमारी असफलता तब और भी स्थायी हो जाती है जब हम विफलता की स्थिति में हार मान बैठते हैं और सफल होने के लिए आगे प्रयास करना ही छोड़ देते हैं। हकीकत तो यही है कि नाकामयाबी महज हमें यह सिखाती है कि सफल होने की राह में हमसे कुछ चूक हो गयी है। इसी गलती की पहचान करके जब हम उसके समाधान का रास्ता ढूँढ लेते हैं, तो फिर हमारा अगला प्रयास निश्चित सफलता का प्रयास होता है।

खुद की प्रतिभा पर विश्वास रहे अडिग

महान हास्य कलाकार चार्ली चैपलिन से एक बार जब पत्रकारों ने पूछा कि यदि वे हास्य कलाकार नहीं बन पाते तो वे क्या करते। उन्होंने उत्तर दिया, "मैंने अपने जीवन में हमेशा लोगों को हँसाना चाहा था और मुझे एक विश्व प्रसिद्ध कोमेडियन ही बनना था। इसीलिए मैं और कुछ बन ही नहीं सकता था।" चैपलिन को खुद की प्रतिभा में जो विश्वास था, वही सफलता का रहस्य छिपाए हुए था। अतः जब हम खुद की काबिलियत पर बिना संदेह किए आगे बढ़ते हैं, तो कामयाबी हमारी होती है।

यह ऐसा विज्ञान है जिसमें आंकड़ों का विश्लेषण करके जानकारी को प्राप्त किया जाता है। इसका कुछ स्थानों पर गुप्त तरीके से भी उपयोग किया जाता है। इसका इस्तेमाल बॉलीवुड व हॉलीवुड फिल्मों में भी किया जाता है। इसे कंप्यूटर विज्ञान का दूसरा रूप भी कहते हैं...

बीनम शर्मा
स्वतंत्र लेखिका

ग्लोबल दुनिया में

डेटा साइंस का बढ़ता दायरा

डेटा साइंस में आज रोजगार के भरपूर अवसर मौजूद हैं। जहां डेटा साइंटिस्ट बनने के अलावा साइंस प्रोजेक्ट पर काम करके मोटी सैलरी भी पा सकते हैं। आज के समय में प्रत्येक मनुष्य को डेटा साइंस की जरूरत है, क्योंकि वर्तमान दौर में अधिकतर कार्य डेटा पर ही निर्भर हैं। इंटरनेट और डिजिटलीकरण ने पूरी दुनिया के कारोबार और कामकाज के तरीकों को बिल्कुल अलग और नए आयाम दिए हैं। इस वजह से आजकल भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया में डेटा-साइंस का महत्व दिनों-दिन बढ़ता ही जा रहा है।

डेटा-साइंस में मैथमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स, इनफॉर्मेशन साइंस और कंप्यूटर साइंस की विभिन्न फ़ील्ड्स से जुड़ी अनेक किस्म की टेक्निक्स और थ्योरीज का इस्तेमाल करके सभी तरह के स्ट्रक्चर्ड और अन-स्ट्रक्चर्ड डेटा से महत्वपूर्ण जानकारी और इनसाइट्स प्राप्त की जाती हैं। यह काम करने वाले लोग ही डेटा एक्सपर्ट्स अर्थात डेटा-साइंटिस्ट्स कहलाते हैं।

डेटा साइंटिस्ट एक उभरता हुआ कैरियर है। यह एक ऐसा विज्ञान है जोकि कुछ स्थानों पर गुप्त तरीके से काम करता है। इसका उपयोग बॉलीवुड व हॉलीवुड दोनों स्तर की फिल्मों में किया जाता है। इसे हिंदी में "आंकड़ा विज्ञान" कहते हैं। इसमें आंकड़ों का विश्लेषण करके जानकारी को प्राप्त किया जाता है। कुछ लोग इसे कंप्यूटर विज्ञान का दूसरा रूप भी मानते हैं। इसमें अधिकतर कार्य गुप्त तरीके से छुपा कर किये जाते हैं। जोकि खोये हुए डेटा को खोजना, इसकी गड़बड़ी को दूर करना, डेटा संबंधी टेक्निकल समस्या को दूर करना, हॉलीवुड साई - फाई फिल्मों में दिखाये जाने वाले आइडियाज को आसानी से बदलने का काम डेटा साइंस के द्वारा ही किया जाता है।

अगर आप भी डेटा साइंटिस्ट बनना चाहते हैं तो डेटा साइंस में निम्नलिखित प्रमुख कोर्सेज में से अपने टैलेंट, इंटरैस्ट और स्किल-सेट के मुताबिक कोई सूटेबल कोर्स ज्वाइन करके इस फ़ील्ड में अपना शानदार कैरियर शुरू कर सकते हैं आप किसी मान्यताप्राप्त कॉलेज/ यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस, मैथ्स, फिजिक्स, आईटी या किसी अन्य संबद्ध फ़ील्ड में बैचलर की डिग्री प्राप्त करके डेटा साइंस की फ़ील्ड में मास्टर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। कई इंस्टीट्यूट्स इन कोर्सेज में एंट्रेंस एग्जाम के माध्यम से एडमिशन देते हैं। इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मुताबिक अभी वर्तमान में लगभग 5 लाख डेटा साइंटिस्ट की डिमांड है। जोकि आगे कुछ ही सालों में 7.5 लाख से ज्यादा मांग होगी।

योग्यता

डेटा साइंटिस्ट बनने के लिए किसी भी व्यक्ति के पास कंप्यूटर साइंस, मैथ्स, इलैक्ट्रिकल इंजिनियरिंग, आईटी या इससे संबंधित फ़ील्ड में बैचलर की डिग्री होना जरूरी है। इसके बाद आप काम करते हुए मास्टर्स की डिग्री के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद आप डेटा साइंस में पीएचडी की डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं।

ऑनलाइन कोर्स भी हैं उपलब्ध

डेटा साइंस से जुड़े विभिन्न कोर्सेज ऑनलाइन माध्यम से भी किए जा सकते हैं। अनेक वेबसाइट इस दिशा में कार्य कर रही हैं। अपग्रेड, सिम्पलीलर्न, एदुरेखा जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से आप इस



टॉप-10 संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु
- इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, रांची
- आईआईएम, लखनऊ
- एमआईसीए, अहमदाबाद
- स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, कोलकाता
- इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंगलुरु
- स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद
- आईआईएम, कोलकाता
- इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर
- इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुंबई

कोर्स को कर सकते हैं। इसके अलावा डेटा साइंटिस्ट की बढ़ती मांग को देखते हुए अनेक कॉलेजों में इस फील्ड से रिलेटेड डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, पीजी डिप्लोमा और बैचलर तथा मास्टर डिग्री कोर्स संचालित कर रहे हैं।

जॉब ऑप्शन

इसका कोर्स करने के बाद आपके लिए कई जॉब ऑप्शन मौजूद हैं। जहां आप इंफॉर्मेशन ऑफिसर, डेटा एनालिस्ट, सॉफ्टवेयर टेस्टर, डेटा साइंटिस्ट, सीनियर इंफॉर्मेशन एनालिस्ट, सीनियर डेटा ऑफिसर, बिजनेस एनालिस्ट और सहायक एनालिस्ट के पद पर काम करके कैरियर बना सकते हैं। फेसबुक, ट्विटर, लिंकडइन, अमेज़ॉन, गूगल, याहू सर्च, ईबे, माइक्रोसॉफ्ट, ऐप डेवलपमेंट कंपनी इन जगहों

पर डेटा साइंटिस्ट की जरूरत पड़ती है और इन्हें काम मिलता है। इसके अलावा डेटा इंफॉर्मेशन इंटीग्रेशन, वेब इंफॉर्मेशन एक्सेस, नेचुर प्रोसेसिंग, साइंटिस्ट डेटाबेस सोशल एंड इंफॉर्मेशन नेटवर्क, डेटा या बिजनेस एनालिसिस क्लाउड कम्प्यूटिंग के क्षेत्र में भी रोजगार खोज जा सकता है। यहां पर भी नौकरी मिलने के चांस रहते हैं।

इसके प्राइवेट सेक्टर में भी रोजगार के बहुत चांस हैं। यहां आप बैंक, बीमा कंपनी, ई-कॉमर्स, टेलीकॉम, फाइनेंस, यूटिलिटी, हॉस्पिटल, कंस्ट्रक्शन प्लान, ऑयल या गैस कंपनी, मैन्युफेक्चरिंग कंपनी, ट्रांसपोर्टेशन जैसी बहुत सी जगहों पर रोजगार मिलने की संभावनाएं हैं।

सैलरी

इनकी सैलरी की बात करे तो इनको अच्छी - खासी सैलरी मिलती है। भारत में एक डेटा साइंटिस्ट एवरेज 8.50 रुपये लाख सालाना कमाता है। इस पेशे में हाईएस्ट पेइंग जॉब-स्किल्स डेटा माइनिंग/ डेटा वेयरहाउस, मशीन लर्निंग, जावा, एपेक, हेडूप और पाइथन हैं। उम्र के साथ - साथ अनुभव बढ़ने पर इससे ज्यादा वेतन मिलने के चांस भी रहते हैं। यह सब कैंडिडेट के एक्सपिरियंस पर डिपेंड करता है।

कोर्स एवं कैरियर

डेटा साइंस के फील्ड में कैरियर बनाने के लिए उम्मीदवार के पास कंप्यूटर साइंस, आईटी, मैथमेटिक्स, स्टैटिक्स, बिजनेस स्टडीज, फिजिक्स सबजेक्ट में बैचलर डिग्री होनी चाहिए। इसके बाद आप डेटा साइंस में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स कर इस फील्ड में कैरियर बना सकते हैं। इस सेक्टर में कैरियर बनाने के लिए ज्यादातर लोग बीएसए, एमसीए, बीटेक आईटी, बीटेक कंप्यूटर साइंस, बीएससी आईटी, बीएससी कंप्यूटर साइंस जैसे बैचलर डिग्री कोर्स करते हैं। इसका कारण ये है कि इन कोर्स में प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की इनको जानकारी मिल जाती है, जोकि डेटा साइंस के फील्ड में कैरियर बनाने में आपकी मदद करती है। ऐसा नहीं है कि आपने आईटी या कंप्यूटर साइंस में बीटेक, बीई या बीएससी कर लिया है तो आप बन गए डेटा साइंटिस्ट तो ऐसा आप बिल्कुल ही न सोचें। इसके बाद आपको डेटा साइंस में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स करने की जरूरत होगी। जिसके बाद आप डेटा साइंस प्रोफेशनल के तौर पर कैरियर बना सकते हैं।

सफलता में फायदे-
नुकसान से कहीं
ज्यादा जरूरी होता है
काम के परिणाम
की परिकल्पना
करना...



बर्षा छाबड़िया
रेडियो प्रोफेशनल
भारत सरकार द्वारा सम्मानित



परिणाम की परिकल्पना ही है जीत की तैयारी

आमतौर पर हम सफलता के लिए अपने फायदे और नुकसान का आकलन करने लगते हैं। जबकि वास्तव में सोचा जाए तो सफलता में फायदे और नुकसान से कहीं ज्यादा काम के परिणाम की परिकल्पना करना आवश्यक होता है अर्थात् परिणाम हमारे जीवन में या भविष्य में क्या बदलाव लाएगा इस पर विचार करना अति आवश्यक होता है।

विफलता में भी छिपी हो सकती है एक ट्रॉफी

अगर आप किसी काम में विफल हो भी गए तब भी परिणाम आपके लिए अच्छा हो सकता है यानी ऐसा तब होता है तब उससे आपको आगे बढ़ने की राह मिल जाए। याद रखिए, हमेशा ट्रॉफी ही जीत नहीं होती बल्कि असफलता से मिलने वाली सीख भी किसी ट्रॉफी से कम नहीं होती है।

समझ में बदलाव

किसी काम को करने के विभिन्न तरीके हो सकते हैं। उन तरीकों में पारंपरिक और

आधुनिक कोई भी तरीका अपनाया जा सकता है। उस दौरान कोई नया कौशल सीखना, कहां चूक हुई यह समझना यह भी जरूरी है।

पियर ग्रुप निर्माण

पियर ग्रुप अर्थात् साथ में काम करने वालों का मिलना यह बहुत बड़ा फायदा हो सकता है। यदि आप ग्रुप वर्क के क्षेत्र में हैं।

श्रेष्ठतम आविष्कार

श्रेष्ठ आविष्कार अनगिनत विफल प्रयासों का नतीजा होता है। कुछ नया आविष्कार करने वाले कई बार विफल होते हैं तभी जाकर वह अपना श्रेष्ठतम आविष्कार दुनिया को उपहार दे पाते हैं।

खामियों को पहचानने की सफलता

परिणाम यदि विफलता है तब भी वह आपके लिए फायदा हो सकती है। आपको आपकी अतिशयोक्ति, अधूरी तैयारी, आधे ज्ञान को इंगित करती है। हमारी परिकल्पना जीत की नहीं सीख की होनी चाहिए।

आगे चलकर कई सफलताओं को जन्म देगी।

एलबीआईआईएचएम देगा "अतिथ्य श्री" स्कॉलरशिप

एक अनुमान के मुताबिक भारतीय होटल इंडस्ट्री 15 प्रतिशत सालाना की दर से वृद्धि कर रहा है। इस क्षेत्र में विदेशी कंपनियां भी भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी कर रही हैं। रेस्तरां या फास्ट फूड ज्वाइंट के बढ़ते विस्तार के बाद तो होटल मैनेजमेंट का और भी विस्तार हुआ है। दिल्ली स्थित लक्ष्य भारती इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल होटल मैनेजमेंट (एलबीआईआईएचएम) ने इस एकेडमिक सेशन में दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए एक अनूठी स्कॉलरशिप स्कीम की शुरुआत "अतिथ्य श्री" के रूप में की है। यह स्कॉलरशिप योजना उन सभी छात्रों के लिए है, जो ज्ञान के मूल्य को समझते हैं और ज्ञान को पैशन की तरह देखते हैं। "अतिथ्य श्री" छात्रवृत्ति योजना उन योग्य छात्रों के लिए है जो बीए या बीएससी इन होटल मैनेजमेंट के 2015 सेशन में दाखिला लेना चाहते हैं। एलबीआईआईएचएम के डायरेक्टर डॉक्टर कमल कुमार के मुताबिक "अतिथ्य श्री" स्कॉलरशिप की योजना को हमने तीन श्रेणियों में बांटा है। इसके तहत अभ्यर्थी को वार्षिक फीस में 10 फीसदी से 30 फीसदी तक की छूट मिल सकती है। वो छात्र-छात्रा जिन्होंने 12वीं में 60 से 70 फीसदी अंक हासिल किए हैं उन्हें 10 फीसदी तक फीस में छूट मिल सकती है। जिन छात्रों ने 12वीं में 70 से 80 फीसदी तक अंक हासिल किए हैं उन्हें कुल वार्षिक फीस में से 20 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।

भाषाविद् और समीक्षक

A young man and woman are smiling and looking at a large open book together in a library. The woman is on the left, holding the book, and the man is on the right, pointing at the text. They are both dressed in casual clothing. The background shows bookshelves filled with books, creating a warm and studious atmosphere.



अपने सामान्य
ज्ञान को बेहतर करने
के लिए जरूरी है कि
पिछली परीक्षाओं में
पूछे गए प्रश्नों का
पैटर्न समझा
जाए...

मौर्यकालीन भारत के विवरण वाली
इंडिका के लेखक कौन थे? (UP PET
Exam 2021)

- (a) मेगस्थनीज
- (b) ह्वेनसांग
- (c) फाह्यान
- (d) इनमें से कोई नहीं

जवाब: (a) मेगस्थनीज

व्याख्या: इंडिका का लेखक मेगस्थनीज है। मेगस्थनीज ग्रीक शासक सेल्यूकस का राजदूत था जो इस ई.पू. 304 में चंद्रगुप्त मौर्य के राज्य दरबार में आया था, वहां पर ही उसने ग्रंथ इंडिका में मौर्यकालीन प्रशासन की विश्वसनीय जानकारी दर्ज की है। उसने मौर्यकालीन समाज के सात वर्गों अथवा जातियों में विभाजन, तथा दास प्रथा का अभाव का वर्णन किया है। इंडिका तो अपने मूलरूप में उपलब्ध नहीं है लेकिन एरियन तथा डियोडोरस जैसे बाद के लेखकों ने उसे उद्धृत किया है।

साइमन कमीशन किस वर्ष भारत में
आया? (UP PET Exam 2021)

- (a) 1925
- (b) 1926
- (c) 1928
- (d) 1919

जवाब: (c) 1928

व्याख्या: साइमन आयोग सात ब्रिटिश सांसदों का समूह था, जिसका गठन 1927 में भारत में संविधान सुधारों के अध्ययन के लिये किया गया था। इसे साइमन आयोग (कमीशन) इसके अध्यक्ष सर जॉन साइमन के नाम पर कहा जाता है। कमीशन के सभी सदस्य अंग्रेज (केवल बाबा साहेब अम्बेडकर को छोड़कर) थे जो भारतीयों का बहुत बड़ा अपमान था। 1927 में मद्रास में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ जिसमें सर्वसम्मति से साइमन कमीशन के बहिष्कार का फैसला लिया गया। मुस्लिम लीग ने भी साइमन के बहिष्कार का फैसला किया। 3 फरवरी 1928 को कमीशन

भारत पहुंचा। साइमन कोलकाता लाहौर लखनऊ, विजयवाड़ा और पुणे सहित जहां-जहां भी पहुंचा उसे जबर्दस्त विरोध का सामना करना पड़ा और लोगों ने उसे काले झंडे दिखाए।

भरतपुर में स्थित पक्षी अभ्यारण्य का नाम
है: (UP PET Exam 2021)

- (a) भैंसरोड़गढ़ अभ्यारण्य
- (b) दर्रा अभ्यारण्य
- (c) केवलादेव घाना अभ्यारण्य
- (d) घाटप्रभा अभ्यारण्य

जवाब: (c) केवलादेव घाना अभ्यारण्य
व्याख्या: केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के भरतपुर का सर्वाधिक प्रसिद्ध पर्यटन आकर्षण है। 1964 में जब तक यह उद्यान पक्षी अभ्यारण्य के रूप में स्थापित नहीं हुआ था तब तक भरतपुर के महाराजा इस उद्यान का उपयोग बतखों के शिकार के लिए निजी स्थान के रूप में किया करते थे। 1982 में भरतपुर पक्षी अभ्यारण्य को राष्ट्रीय पार्क घोषित कर दिया गया और इसका नाम केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान रखा गया। वर्ष 1985 में यूनेस्को ने इस उद्यान विश्व विरासत स्थान की मान्यता दी।

माउंट एवरेस्ट पर प्रथम बार चढ़ाई किस
वर्ष की गई? (UP PET Exam
2021)

- (a) 1951
- (b) 1953
- (c) 1954
- (d) 1958

जवाब: (b) 1953

व्याख्या: 29 मई 1953 को पहली बार माउंट एवरेस्ट पर न्यूजीलैंड के एडमंड हिलेरी और नेपाली मूल के भारतीय नागरिक तेनसिंह नोर्गे शेर्पा चढ़े थे। 1952 में स्वीस पर्वतारोहियों ने दक्षिणी मार्ग से एवरेस्ट पर चढ़ने के दो प्रयास किए और दोनों अभियानों में तेन्जिग सरदार के रूप में उनके साथ थे। 1953 में वे सरदार के रूप में ब्रिटिश एवरेस्ट के अभियान पर गए और हिलेरी के साथ उन्होंने दूसरा शिखर युगल बनाया। भारत के अतिरिक्त इंग्लैंड एवं नेपाल की सरकारों ने भी उन्हें सम्मानित किया था। 1959 में उन्हें 'पद्मभूषण' से अलंकृत किया गया। बछेंद्री पाल एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला थीं जिन्होंने 1984 में यह उपलब्धि हासिल की।

दिए गए दर्रों और उनके स्थानों का कौन
सा जोड़ सही नहीं है? (UP PET
Exam 2021)

1. जोजिला और बुरजिल - जम्मू व कश्मीर

2. बारा लाचा ला तथा शिपकी ला -उ.प्र.
3. थागाला, नीति, लिपुलेख -हि.प्र.
4. नाथुला और जेलेप ला -सिक्किम
सही कूट:

- (a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1, 2 और 3
(d) 1 और 4

जवाब: (b) 2 और 3

व्याख्या: बारालाचा ला भारत के हिमाचल प्रदेश राज्य के लाहौल और स्पीति जिले में हिमालय की जंस्कार पर्वतमाला में एक 4,890 मीटर (16,040 फुट) की ऊंचाई पर स्थित एक पर्वतीय दर्रा है। यह हिमाचल प्रदेश के लाहौल क्षेत्र को लद्दाख प्रदेश के लेह जिले से जोड़ता है और इसमें से लेह-मनाली राजमार्ग गुजरता है शिपकी दर्रा हिमालय का एक प्रमुख दर्रा है। यह भारत के हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले को तिब्बत के न्गारी विभाग के जान्दा जिले से जोड़ता है। सतलुज नदी इस दर्रे के पास ही एक तंग घाटी से गुजरकर तिब्बत से भारत में दाखिल होती है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में स्थित थागाला तिब्बत से जोड़ता है तो नीति दर्रा भी चमोली तथा तिब्बत के बीच है और लिपुलेख का प्रसिद्ध दर्रा उत्तराखंड के ही पिथौरागढ़ में है जहां से मानसरोवर यात्रा गुजरती है। इस प्रकार 2 तथा 3 गलत है।

भारत की राष्ट्रीय आय का आकलन करने वाली संस्था है: (UP PET Exam 2021)

- (a) आर. बी. आई.
(b) नीति आयोग
(c) वित्त मंत्रालय
(d) केंद्रीय सांख्यिकी संगठन

जवाब: (d) केंद्रीय सांख्यिकी संगठन

व्याख्या: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय इसका आकलन करता है। NSO राष्ट्रीय आय के आकलन के लिए आय, उत्पादन तथा व्यय की मिली-जुली विधियों का प्रयोग करता है। इसके लिए अर्थव्यवस्था को 14 क्षेत्रों में बांटा गया है।

मगही किस उपभाषा की बोली है?

(Uttarakhand Junior Assistant Exam 2018)

- (a) बिहारी
(b) छत्तीसगढ़ी
(c) पूर्वी हिंदी

(d) मालवी

जवाब: (a) बिहारी

व्याख्या: मगही भारत के मध्य पूर्व में बोली जाने वाली एक प्रमुख बोली है। इसका निकट का संबंध अवधी, भोजपुरी और मैथिली भाषा से है और अक्सर ये भाषाएं एक ही साथ बिहारी भाषा के रूप में रख दी जाती हैं। इसे देवनागरी अथवा कयथी लिपि में लिखा जाता है। मुख्य रूप से यह बिहार के गया, पटना, राजगीर, नालंदा, जहानाबाद, अरवल, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, मुंगेर, औरंगाबाद के इलाकों में बोली जाती है इसका विकास मागधी अपभ्रंश से हुआ है।

ब्ल्यू हार्ट अभियान का सम्बंध है?

(Uttarakhand Junior Assistant Exam 2018)

- (a) हृदय शल्य चिकित्सा
(b) मानव तस्करी के विरुद्ध जागरूकता
(c) अंगदान से
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

जवाब: (b) मानव तस्करी के विरुद्ध जागरूकता

व्याख्या: ब्लू हार्ट अभियान, UNODC द्वारा शुरू किया गया एक अंतर्राष्ट्रीय तस्करी-रोधी कार्यक्रम है। अंतर्राष्ट्रीय अपराधों पर रोक के लिए संयुक्त राष्ट्र की संस्था UNDOC अर्थात् संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ तथा अपराध संगठन के अंतर्गत यह कार्यक्रम है।

गुरु शिखर सबसे ऊंची चोटी है:

(Uttarakhand Junior Assistant Exam 2018)

- (a) अरावली की
(b) सतपुड़ा पर्वत की
(c) विंध्याचल पर्वत की
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

जवाब: (a) अरावली की

व्याख्या: गुरु शिखर चोटी अरावली क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटी है जो माउंट आबू से 15 किमी. की दूरी पर स्थित है। यह 1722 मीटर ऊंची है। गुरु दत्तात्रेय मंदिर एक प्राचीन मंदिर है जो इस पर्वत की चोटी पर स्थित है। यह मंदिर भगवान दत्तात्रेय को समर्पित है जो दिव्य त्रिमूर्ति भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान शिव के अवतार माने जाते हैं। इस पर्वत पर स्थित अन्य मंदिर शिव मंदिर, मीरा मंदिर और चामुंडा मंदिर है।

संकलनकर्ता: जितेश जोशी

कॉलेज फैकल्टीज सीख रहे हैं नई स्किल्स: सर्वे

इंटरनशाला की ई-लर्निंग शाखा, इंटरनशाला ट्रेनिंग्स ने हाल ही में ऑनलाइन ट्रेनिंग्स के माध्यम से अपस्किलिंग पर कॉलेज फैकल्टीज के दृष्टिकोण को समझने के लिए एक सर्वे किया। यह सर्वे 2020 में हुए लॉकडाउन के बाद, फैकल्टीज द्वारा एनरोल की गयी ऑनलाइन ट्रेनिंग्स से प्राप्त अनुभव पर आधारित है। सर्वे के रिजल्ट के अनुसार 64% फैकल्टीज का मानना है कि प्रैक्टिस बेस्ड ऑनलाइन ट्रेनिंग्स उनके लिए एक नई स्किल सीखने का सबसे उपयुक्त साधन हैं। केवल 35% फैकल्टीज ने, नौकरी कर रहे लोगों के लिए नई स्किल्स सीखने के लिए फ्रिजिकल क्लासेज और ई-लर्निंग के कॉम्बिनेशन को उपयुक्त माना। सर्वे में यह भी सामने आया कि फैकल्टीज के बीच, 22% और 16% एनरोलमेंट्स के साथ प्रोग्रामिंग और डेटा साइंस सबसे पॉपुलर ट्रेनिंग्स रही। इसके अलावा इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, और करियर डेवलपमेंट ट्रेनिंग्स भी 13%, 12%, और 11% नामांकन के साथ फैकल्टीज की पसंद रही। इन ऑनलाइन स्किल बेस्ड ट्रेनिंग्स में प्रमुख रूप से बेंगलुरु और हैदराबाद के कॉलेज के प्रोफेसर्स, लेक्चरर्स, HoDs, और ट्रेनिंग व प्लेसमेंट ऑफिसर्स ने एनरोल किया। इन सभी एनरोलमेंट्स में से 53% फैकल्टीज इंजीनियरिंग, 17% साइंस व टेक्नोलॉजी, और 11% व 10% फैकल्टीज कॉलेजों में मैनेजमेंट और कॉमर्स सबजेक्ट पढ़ाते हैं। ट्रेनिंग में एनरोल करने के उद्देश्य की बात करें तो 40% फैकल्टीज ने कहा कि उन्होंने खाली समय में नई स्किल्स सीखने के लिए एक ऑनलाइन ट्रेनिंग में एनरोल किया। 24% ने अपने टीचिंग स्किल्स को बेहतर करने, 14% ने अपने वर्तमान टीचिंग क्षेत्र में उन्नति के लिए, और 10% फैकल्टीज ने एक नए विषय को सीखने व सिखाने में सक्षम होने के लिए एक ऑनलाइन ट्रेनिंग में एनरोल किया। ऑनलाइन ट्रेनिंग्स में असाइनमेंट और प्रोजेक्ट्स के महत्व के बारे में पूछे जाने पर 60% फैकल्टीज ने कहा कि वे मेमोरी बढ़ाते हैं एवं लम्बे समय तक पाठ्यक्रम को याद रखने में मदद करते हैं। 28% फैकल्टीज के अनुसार असाइनमेंट और प्रोजेक्ट सीखने को मजेदार और एंगेजिंग बनाते हैं, और 5% ने महसूस किया कि वे उनके पोर्टफोलियो व रिज्यूमे को बेहतर बनाते हैं। 64% फैकल्टीज ने यह सुझाव दिया कि ऑनलाइन ट्रेनिंग्स में इंस्ट्रक्टर के साथ लाइव सेशन और अधिक गैमिफिकेशन एलिमेंट्स सम्मिलित करना चाहिए जो कि ऑनलाइन लर्निंग को एक बहुत ही रोचक अनुभव बना सकते हैं। विभिन्न स्किल्स को ऑनलाइन सीखने की कठिनाई के बारे में अपनी राय देते हुए, 47% फैकल्टीज ने कहा कि टेक्नीकल स्किल्स को ऑनलाइन माध्यम से सीखना सबसे कठिन है। 28% को एनालिटिकल और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स को ऑनलाइन सीखना थोड़ा कठिन लगा। क्योंकि कॉलेज फैकल्टीज कई पर्सनल और प्रोफेशनल जिम्मेदारियाँ हैंडल करते हैं, इसलिए ऑनलाइन एक नई स्किल सीखने के दौरान 73% फैकल्टीज को टाइम मैनेजमेंट जैसी पर्सनली का सामना करना पड़ा।

मेरीटाइम प्रबंधन में रोजगार की कमी नहीं

मेरीटाइम प्रबंधन
क्षेत्र दुनिया भर
में महत्वपूर्ण
भूमिका निभाता
आ रहा है....

वालेस जेकब
मैनेजमेंट प्रोफेसर



वै

शिवक व्यापार और अर्थव्यवस्था समुद्री व्यापार पर निर्भर हैं। खाद्यान्न, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, ईंधन और दवाएं दुनिया के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक जहाजों से भेजी जाती हैं। विश्व में अरबों लोगों की नौकरियां और आजीविका इन पर निर्भर करती है। किसी भी जहाजों से सम्बंधित कंपनी के शीर्ष पर अध्यक्ष या अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में निदेशक मंडल होता है। इसका कार्य कंपनी की नीति और दिशा निर्धारित करना होता है। बोर्ड अनेक महत्वपूर्ण कार्य करता है, जैसे कि:

- उपयोग किए जा रहे जहाजों का आकार/प्रकार
 - बेड़े प्रतिस्थापन नीति, एवं
 - जहाजों द्वारा ले जाने वाला कार्गो का प्रकार
- किसी भी जहाज की भौतिक संरचना में काम दो अलग-अलग वर्गों में विभाजित किया जा सकता है जिन्हें डेक और इंजन-रूम वर्क कहा जाता है। इंजन रूम का कार्य जहाज के मुख्य इंजन, बिजली जनरेटर, पंप, प्यूरीफायर और अन्य यांत्रिक मशीनरी से संबंधित कार्य को संदर्भित करता है। जहाज वह कारखाना है जो महासागरों पर चल रहा है। इसलिए इंजन-साइड वर्कर्स को जहाजों के

मुख्य और सहायक मशीनरी के नियमित संचालन को सुनिश्चित करना होता है। हर मशीनरी को नियमित सर्विसिंग और नियमित रखरखाव की आवश्यकता होती है। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होता है कि जहाजों को बंकर ईंधन और स्नेहक की सही ग्रेड और गुणवत्ता की आपूर्ति की जाती है। यदि जहाज पर मशीनरी निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करती है तो 'पोर्ट स्टेट कंट्रोल' को जहाज को रोकने का पूर्ण अधिकार है जिससे जहाज के मालिक को भारी नुकसान हो सकता है। डेक साइड के कर्मचारी जहाज द्वारा ले जा रहे कार्गो से सम्बंधित कार्य, मार्ग योजना और नेविगेशन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए की जहाज पर काम करने वाले कर्मचारियों को उचित भोजन दिया जाए विस्तृत योजनाएँ बनानी होती हैं क्योंकि वे कई हफ्तों या महीनों तक घर से दूर रहते हैं। शिपिंग कंपनियां बीमा पर लाखों रुपये खर्च करती हैं। जहाजों को बीमा कराने की आवश्यकता होती है और जहाजों पर काम करने वालों का भी बीमा कराना होता है। जहाज द्वारा ले जाए जा रहे कार्गो का बीमा भी कराना आवश्यक होता है। किसी भी शिपिंग कंपनी में अनेक अन्य विभाग होते हैं जैसे

कि संचालन विभाग जो यह सुनिश्चित करता है कि जहाज सही कार्गो को उठाए और निर्वहन करें, चालक दल विभाग जो जहाजों पर मैनिंग सुनिश्चित करता है, लेखा और वित्त विभाग जो नकदी प्रवाह और नकदी बहिर्वाह का विस्तृत रिकॉर्ड रखता है एवं कानूनी सेल चूंकि जहाजों से संबंधित कार्य के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के विस्तृत ज्ञान की आवश्यकता होती है।

प्रमुख संस्थान



- नरोत्तम मोरारजी इंस्टीट्यूट ऑफ शिपिंग, मुंबई
- गुजरात मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, गांधीनगर
- इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी जिसके कोच्चि, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई, नवी मुंबई और विशाखापत्तनम में परिसर हैं।

कंप्यूटर चिप निर्माण में निभाई अहम भूमिका

भारत और विदेश में फैली महामारी ने आपके व्यापार को कैसे प्रभावित किया है, क्या इस महामारी ने आपके लिए नए अवसरों के द्वार खोले हैं?

महामारी के कारण हमारे रोजाना के जीने के तरीके में भारी बदलाव आया है। कोविड के दौरान सावधानी अपनाने से जुड़े तरीकों का पालन करने के कारण यह बदलाव आया है। अब हमारे जीवन में डिजिटाइजेशन का महत्व बढ़ रहा है और घर पर रहकर काम करने से जुड़ी कंप्यूटिंग डिवाइस की मांग में बढ़ोतरी हो रही है। भारत के विशाल कंज्यूमर बेस के कारण यहां चिप्स और पर्सनल स्टोरेज का बाजार बहुत तेजी से बढ़ रहा है।



राजेश खुराना
कंज्यूमर बिजनेस फॉर
बिविन (BIWIN), इंडिया

इन अवसरों से कंपनी को किस तरह फायदा हुआ?

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि महामारी के दौर में लोग अब घर से ही ऑफिस का काम करने को तवज्जो दे रहे हैं। ऐसे में लोगों की जिंदगी में टेक्नोलॉजी का महत्व काफी बढ़ गया है। लोग खुले मन से टेक्नोलॉजी को अपना रहे हैं। कई तरह की कंप्यूटिंग डिवाइस की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इन बढ़ती हुई मांगों को पूरा करना कंपनी का लक्ष्य है और इसमें ही कंपनी का भी फायदा निहित है।

ACER के साथ सहयोग के बारे में हमें बताएं?

फ्लैश स्टोरेज के लिए चिप बनाने वाली प्रमुख कंपनी बिविन ने भारत के ग्राहकों के लिए एस-ब्रैंड के मेमोरी और पर्सनल एसएसडी स्टोरेज उत्पादों को लाने के लिए हाल ही में एस के साथ एक समझौता किया है। इन उत्पादों को बिविन की उत्पादन क्षमता और दुनिया भर में पेशेवर व घरेलू दोनों तरह के यूजर्स को नवीनतम मेमोरी और स्टोरेज सोल्यूशन देने के मामले में एस

ब्रैंड की वैश्विक पहचान का फायदा मिलेगा। इसके अलावा, हाल ही में हमने गेमिंग सेगमेंट के लिए एस के प्रीडेटर ब्रैंड के एसएसडी और ड्राम स्टोरेज उत्पादों को लॉन्च किया है। प्रीडेटर ब्रैंड के मेमोरी और पर्सनल स्टोरेज समाधान हार्डकोर पीसी गेमर्स और ई-स्पोर्ट्स पेशेवरों के लिए बिल्कुल सही हैं, जो प्रतियोगिता में बढ़त सुनिश्चित करने के लिए हार्ड-एंड गेमिंग सॉल्यूशंस की तलाश में रहते हैं। प्रीडेटर ब्रैंड के तहत नए हार्ड-एंड फ्लैशिप मेमोरी और स्टोरेज पोर्टफोलियो में अत्याधुनिक मेमोरी मॉड्यूल और बेहद तेज सॉलिड-स्टेट ड्राइव शामिल हैं।

क्या निकट भविष्य में कंपनी कि तरफ से कोई नया इनोवेटिव प्रोडक्ट बाजार में देखने को मिलेगा?

हम यूएसएस-1, यूएसएस-11 एसडी कार्ड, सीएफएक्सप्रेस मेमोरी कार्ड और यूएसबी एक्सटर्नल स्टोरेज जैसे स्टोरेज उत्पादों के व्यापक पोर्टफोलियो को लॉन्च करने पर काम कर रहे हैं। जल्दी ही इसके बारे में पूरी जानकारी दी जाएगी।

आपकी कंपनी सफलता का मंत्र क्या है?

भारतीय ग्राहकों के बीच एस को अगुआ ब्रैंड के तौर पर पहचाना जाता है। बिविन बेहतरीन गुणवत्ता के फ्लैश स्टोरेज डिवाइस बनाने वाली कंपनी है। डिस्ट्रीब्यूटर-फॉर्च्यून मार्केटिंग की ताकत और नेटवर्क के साथ दोनों कंपनियों का यह अनुदा मेले हमारे उत्पादों को भारतीय उपभोक्ताओं के लिए बहुत खास बनाता है। फॉर्च्यून के पास सब-डिस्ट्रीब्यूटर, रिसेलर, रिटेलर और ई-कॉमर्स पार्टनर्स का व्यापक नेटवर्क है और इस नेटवर्क का फायदा उठाने के लिए हम फॉर्च्यून के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट का प्रोग्राम लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में शिक्षा के क्षेत्र में प्रमुख प्रकाशक और इंटरनेशनल एग्जाम बोर्ड, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट इंडिया ने टीचर्स और स्कूलों के लिए प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम (पीडीपी) के लॉन्च की घोषणा की है। कैम्ब्रिज पीडीपी टीचर्स के लिए उनके समय, सुविधा और शेड्यूल को ध्यान में रखकर शुरू किया गया कोर्स है। यह कोर्स उन टीचर्स के लिए शुरू किया गया है, जो आजकल के मिश्रित शिक्षा के माहौल में पढ़ाने के अपने तरीके को और मजबूत बनाना चाहते हैं। यह कोर्स आठ लेसन (पाठ) के माध्यम से 40 घंटे का लर्निंग कॉन्टेंट प्रदान करता है। इनमें हरेक पाठ प्रमुख शैक्षिक

अवधारणा को कवर करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत बनाए गए इस कार्यक्रम में लगातार प्रोफेशनल डेवलपमेंट के दिशा-निर्देशों को शामिल किया गया है। कैम्ब्रिज पीडीपी भारतीय कक्षा के लर्निंग माहौल में आठ प्रमुख कॉन्सेप्ट को कवर करता है: स्ट्रुंटेड एंगेजमेंट (विद्यार्थी जुड़ाव), बिहेवियर मैनेजमेंट (व्यवहार प्रबंधन), मेटाकॉग्निशन, ऐक्टिव लर्निंग, ब्लूम्स टैक्सोनॉमी, मल्टीपल इंटेलिजेंसेस, एसेसमेंट फॉर लर्निंग (लर्निंग के लिए मूल्यांकन) और टीचिंग विद डिजिटल टेक्नोलॉजीज (डिजिटल तकनीकों के साथ अध्यापन)। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड

असेसमेंट, द. एशिया के प्रबंध निदेशक अरुण राजमणि ने कहा, “दुनिया भर के शिक्षकों के लिए पिछला साल अविश्वसनीय रूप से काफी चुनौतीपूर्ण रहा। इस वर्ष ने शिक्षा के क्षेत्र में सभी पहलुओं को बेहतरीन ढंग से शामिल करते हुए विकास कार्यक्रम बनाने की जरूरत को उभारा, जो मौजूदा और नए जमाने के पठन-पाठन की मिश्रित तकनीक के मामले में अंतर को कम करता हो। टीचर्स लर्नर्स को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देने, उन्हें उच्च उपलब्धियां दिलाने और उनकी भलाई के लिए केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। हमने इसी जरूरत को पूरा करने के लिए कैम्ब्रिज पीडीपी तैयार किया है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2021

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुआ वर्चुअल तरीके से आयोजन....



प्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 9 सितंबर को पांच देशों के समूह ब्रिक्स (BRICS) सालाना शिखर सम्मेलन हुआ। इस बार का

शिखर सम्मेलन वर्चुअल तरीके से आयोजित किया गया। अफगानिस्तान संकट के समय आयोजित इस अहम बैठक में 'नई दिल्ली घोषणापत्र' के जरिए नेताओं ने देश में स्थिरता, नागरिक शांति, कानून और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एक समावेशी अंतर-अफगान वार्ता के माध्यम से अफगानिस्तान में हिंसा से बचने और शांतिपूर्ण तरीके से स्थिति को निपटाने का आह्वान किया गया। ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) देश हर साल शिखर सम्मेलन आयोजित करते हैं और इसके सदस्य देश बारी बारी से इसकी अध्यक्षता संभालते हैं। भारत इस साल ब्रिक्स का अध्यक्ष है। इस बैठक में ब्राजील के राष्ट्रपति जाइर बोलसोनारो, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा भी शामिल हुए। इस साल ब्रिक्स की 15वीं वर्षगांठ है।

नई दिल्ली घोषणापत्र

राष्ट्राध्यक्षों की आपसी चर्चा के बाद जारी घोषणा पत्र में अफगानिस्तान में सत्ता हासिल

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 9 सितंबर को कहा कि चीन अगले साल ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा और 2022 में समूह के 14वें शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। शी ने कहा कि चीन सभी क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने, आम चुनौतियों का सामना करने के वास्ते अधिक परिणाम-उन्मुखी साझेदारी बनाने और बेहतर भविष्य बनाने के लिए ब्रिक्स भागीदारों के साथ काम करने को तत्पर है। BRICS (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) में दुनिया के 5 सबसे बड़े विकासशील देश हैं, जो वैश्विक आबादी के 41 प्रतिशत, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 24 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 16 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस बार शिखर सम्मेलन का विषय है: निरंतरता, एकजुटता और सहमति के लिए अंतर-ब्रिक्स सहयोग।

चीन करेगा मेजबानी

करने वाले तालिबान से परोक्ष तौर पर उम्मीद जताई गई है कि वहां दूसरे देशों में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने से वाले संगठनों को पनपने नहीं दिया जाएगा। इस तरह रूस, चीन और भारत ने खास तौर पर अपनी चिंताओं को सामने रखा। घोषणा पत्र में आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई और वैश्विक स्तर पर और गहरे सहयोग की बात है, लेकिन इस साल के घोषणा पत्र में आतंकी संगठनों के नाम नहीं हैं जिनके खिलाफ ये देश कार्रवाई करने का मुद्दा उठाते रहे हैं। इसमें यह जरूर है कि ब्रिक्स देशों के बीच आतंकवाद के खिलाफ एक रणनीति बनाने पर सहमति बनी है जिसके तहत एक कार्ययोजना को हरी झंडी दिखाई गई। अफगानिस्तान की स्थिति पर चिंता

जताते हुए घोषणा पत्र में सभी पक्षों से कहा गया है कि वे शीघ्रता से हिंसा का रास्ता छोड़कर हालात का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से निकालने की कोशिश करें। वहां स्थायित्व के लिए अफगानिस्तान के सभी पक्षों के बीच बातचीत को बढ़ावा देने के साथ ही हाल में हामिद करजई हवाई अड्डे पर हुए आतंकी हमले की निंदा की गई है। उम्मीद जताई गई है कि अफगानिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही अफगानिस्तान को नशा उत्पादों के कारोबार का केंद्र नहीं बनने दिया जाएगा। वहां अफगानी महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कदम उठाए जाएंगे।

जताते हुए घोषणा पत्र में सभी पक्षों से कहा गया है कि वे शीघ्रता से हिंसा का रास्ता छोड़कर हालात का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से निकालने की कोशिश करें। वहां स्थायित्व के लिए अफगानिस्तान के सभी पक्षों के बीच बातचीत को बढ़ावा देने के साथ ही हाल में हामिद करजई हवाई अड्डे पर हुए आतंकी हमले की निंदा की गई है। उम्मीद जताई गई है कि अफगानिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही अफगानिस्तान को नशा उत्पादों के कारोबार का केंद्र नहीं बनने दिया जाएगा। वहां अफगानी महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कदम उठाए जाएंगे।

WEEKLY DAIRY



08 सितंबर

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत और पुर्तगाल के बीच

एक समझौते पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दे दी है। इसके तहत भारत के नागरिकों को पुर्तगाल गणराज्य में काम करने के लिये रखा जा सकेगा और दोनों के बीच साझेदारी और सहयोग की एक संस्थागत प्रणाली तैयार होगी।



09 सितंबर

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क द्वारा तैयार की गई

इंडिया रैंकिंग 2021 (छठा संस्करण) जारी की। 2016 में अपने पहले वर्ष के दौरान, विश्वविद्यालय श्रेणी के साथ-साथ तीन विषय-विशिष्ट रैंकिंग, अर्थात् इंजीनियरिंग, प्रबंधन और फार्मसी संस्थानों के लिए रैंकिंग की घोषणा की गई थी।



10 सितंबर

हैदराबाद के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम टूल रूम सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ टूल डिजाइन

(सीआईटीडी) ने 20 वर्षों के लिए "शंक्वाकार आकार के पटाखे (अनार) के उत्पादन के लिए स्वचालित मशीन" नामक आविष्कार का एक पेटेंट प्राप्त किया है। सीआईटीडी ने एसएफपीएल साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।



खेल

■ 12 सितंबर को ब्रिटेन की ऐमा रादुकानू ने कनाडा की लेलाह फर्नांडीज को हराकर महिला सिंगल यूएस ओपन खिताब जीत लिया है। मात्र 18 साल की ऐमा रादुकानू ने ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने फाइनल में कनाडा की लैला फर्नांडीज को हराया।

■ 8 सितंबर को पैरालंपिक खेलों में 3 पदक जीतने वाले भाला फेंक एथलीट देवेंद्र झाझरिया, पूर्व क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद और पूर्व विश्व चैंपियन एल सरिता देवी को राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की चयन समिति में शामिल किया गया है।

■ 10 सितंबर को लियोनेल मेसी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक जमाई, जिससे अर्जेंटीना ने दक्षिण अमेरिकी विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर में बोलिविया पर 3-0 से जीत दर्ज की। इसी के साथ मेसी ने ब्राजील के पेले के 77 गोल को पीछे छोड़ दिया।

■ अमेरिका के राजीव राम और ब्रिटेन के जो सैलिसबरी ने यूएस ओपन मेन्स डबल्स का खिताब जीत लिया है।

नियुक्ति



■ लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह को 9 सितंबर को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया। यह पद बेबी रानी मौर्य के इस्तीफे देने के बाद खाली हुआ था।

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह सेना के उप प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

■ केंद्र के वार्ताकार और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी आर एन रवि को नगालैंड से तमिलनाडु

के राज्यपाल के रूप में स्थानांतरित किया गया है।

■ मोरक्को के राजा मोहम्मद-6 ने रैली ऑफ इंडिपेंडेंस के अध्यक्ष अजीज अखनौच को नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है।

■ सरदार इकबाल सिंह लालपुरा ने 10 सितंबर को नई दिल्ली में केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की उपस्थिति में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला।

निधन



■ फ्रांस के पूर्व फुटबॉलर जीन पियरे एडम्स का 39 साल तक कोमा में रहने के बाद 6 सितंबर को निधन हो गया। वह 73 साल के थे। वर्ष 1982 में घुटने के ऑपरेशन से

पहले उन्हें एनेस्थेटिक (सुन्न करने की दवा) दिया गया था।

■ मशहूर मलयालम टीवी स्टार रमेश वलियासाला 11 सितंबर को निधन हो गया। वह राज्य के सबसे लोकप्रिय और व्यस्त टीवी धारावाहिक अभिनेताओं में से एक थे और उन्होंने फिल्मों में भी अभिनय किया है।

■ विख्यात लेखक और जम्मू-कश्मीर के कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी के पूर्व सचिव अजीज हाजिनी का 11 सितंबर की देर रात यहां निधन हो गया। वह 64 साल के थे।

■ बांग्लादेश के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर नादिर शाह का यहां 10 सितंबर को निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे और लंबे अरसे से कैंसर से लड़ाई लड़ रहे थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से मान्यता मिलने के बाद उन्होंने मार्च 2006 में पहली बार अंतरराष्ट्रीय मैच में अंपायरिंग की और अपने सात साल के करियर में 40 वनडे, तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय और तीन महिला वनडे मैचों में अंपायर रहे।

-सौरभ सिंह

रक्षा और विज्ञान



■ तेलंगाना दूरस्थ क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्रों पर ड्रोन के जरिये वैक्सीन पहुंचाने का परीक्षण शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। राज्य सरकार की 'आकाश से औषधि' परियोजना के तहत इस दो दिवसीय परीक्षण की शुरुआत 19 सितंबर को किया गया।

■ भारत की तरफ आने वाली न्यूक्लियर मिसाइलों को ट्रैक करके उन्हें दुश्मन की धरती पर ही खत्म करने वाला आईएनएस ध्रुव 10 सितंबर को लांच कर दिया गया। इसी के साथ भारतीय नौसेना के बेड़े में पहला न्यूक्लियर मिसाइल ट्रैकिंग जहाज भी शामिल हो जाएगा। आईएनएस ध्रुव का वजन करीब 10 हजार टन है।

■ देश की पहली आपातकालीन हवाई पट्टी का उद्घाटन 9 सितंबर को हुआ। राजस्थान के बाड़मेर में बने नेशनल हाइवे पर बने इमरजेंसी लैंडिंग फील्ड (ईएलएफ) का केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने उद्घाटन किया। दोनों केंद्रीय मंत्रियों ने एनएच 925 ए पर 3 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी का उद्घाटन किया।

■ भारतीय वायु सेना को मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआर-सैम) प्रणाली की पहली सुपुर्दगी 9 सितंबर को सौंपी। एमआरएसएम भारतीय उद्योग के सहयोग से एमएसएमई सहित निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय कंपनियों के साथ मिलकर डीआरडीओ और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की है।

WEEKLY DAIRY



11 सितंबर

अफगानिस्तान में तालिबान ने अफगानिस्तान के पूर्व उप राष्ट्रपति

अमरुल्ला सॉलेह के भाई रूहुल्लाह की कल हत्या कर दी। वहीं दूसरी ओर तालिबान ने नवगठित अंतरिम सरकार का गठन कर लिया है। यह गठन 9/11 आतंकी हमलों की 20वीं बरसी पर किया गया है।



12 सितंबर

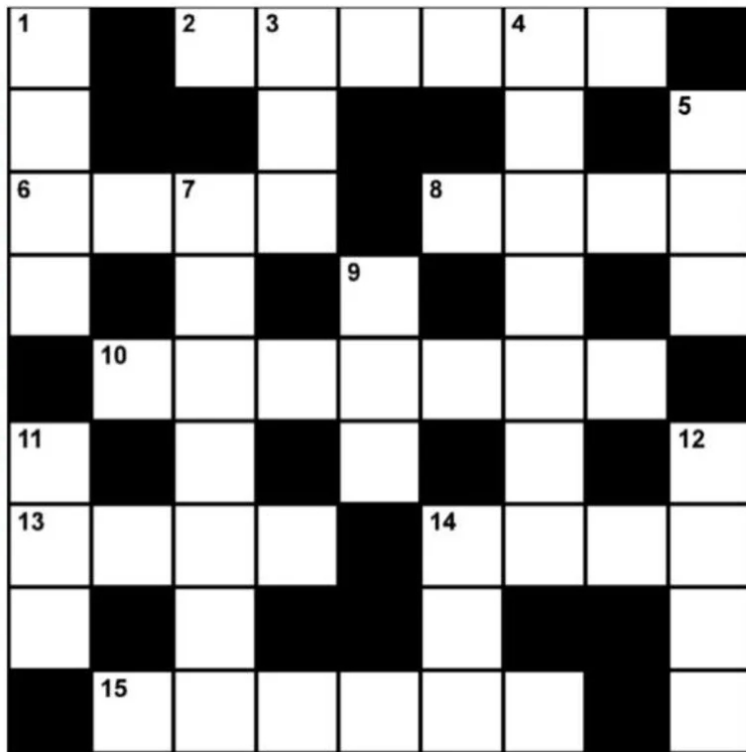
हिमाचल देश का पहला ऐसा राज्य है, जहां सभी को पहला कोरोना वैक्सीन लग चुका है। इस अवसर पर हेल्थ वर्कर को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, '100 वर्ष की सबसे बड़ी महामारी के विरुद्ध लड़ाई में हिमाचल प्रदेश, चैंपियन बनकर सामने आया है। हिमाचल अपनी पूरी पात्र आबादी को कोरोना टीके की एक डोज लगाई है।



13 सितंबर

गुजरात में भूपेन्द्र पटेल ने राज्य के 17वें मुख्यमंत्री के तौर पर पद और

गोपनीयता की शपथ ली। विभिन्न गणमान्य नेताओं के साथ केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में बीजेपी के 112 विधायक हैं।



PERFECT YOUR ENGLISH

PERFECT YOUR ENGLISH

Choose the closest meaning of the words given in the capital letters -

1. **AGGRIEVE**
(A) to distress, to oppress
(B) to evaluate
(C) to determine

2. **YIELD**
(A) to annihilate
(B) to surrender
(C) to shout

3. **PROGNOSTICATE**
(A) to forecast
(B) to compel
(C) to exclude

4. **STIPULATE**
(A) to remit
(B) to specify, to require
(C) to pierce

5. **PUNCTUATE**
(A) to interrupt, to break
(B) to clip
(C) to deliver

6. **OBTUSE**
(A) blunt
(B) incident
(C) irregular

7. **OBDURATE**
(A) uncertain
(B) stubborn
(C) incomplete

Answers: 1. A 2. B 3. A 4. B 5. A 6. A 7. B

श्रीप्रकाश शर्मा, प्राचार्य,
जवाहर नवोदय विद्यालय, मामित, मिर्जोरम

15 SEPTEMBER 2021

बाएं से दाएं: 7/35

2. 24 दिसंबर 1997 को खांद्रा (पानीपत, हरियाणा) में जन्मा खिलाड़ी; 2020 के टोक्यो ओलंपिक में 'जेवलिन थ्रो' में स्वर्ण पदक पाने वाला खिलाड़ी (3,3)
6. 13वीं शताब्दी में बहाड़ राव द्वारा स्थापित राजस्थान का एक नगर; राजस्थान का दूसरा सबसे बड़े जिला (4)
8. लोकायुक्त; दिवपाल; दिगीश्वर; पुराणानुसार प्रत्येक दिशा का पालक; राजा; विष्णु; शिव (4)
10. डर या भय के मारे कंपना; शीत के कारण कंपना (2,2,3)
13. 1949 में आई दिलीप कुमार, कामिनी कौशल, जीवन, कुक्कू, श्यामा, पारो, मुबारक की फिल्म; ओस (4)
14. पूर्वी उत्तर प्रदेश का एक प्राचीन धार्मिक शहर व भोलेनाथ की नगरी; वाराणसी (4)
15. 29 मई 1977 को नमकल (तमिलनाडु) में जन्मे अधिवक्ता व राजनेता; मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (2,4)

ऊपर से नीचे: 9/37

1. झारखंड का जिला और जिला मुख्यालय; भारत की कोयला राजधानी के नाम से जाना जाने वाला शहर (4)
3. 1975 में आई विनोद मेहरा, मौसमी और डैनी की फिल्म; गति; चाल; प्रवाह; संवेग; चलने का ढंग (3)
4. देखते रह जाना; हैरान होना; थोड़ा समय निकालना (3,4)
5. 1969 में आई एन दत्त के संगीत से सजी बी.के. आदर्श निर्देशित मास्टर सूरज, सारिका, अभिभट्टाचार्य, विपिन गुप्ता, जगदीप, जयमाला, जीवन, मनमोहन कृष्ण, धूमल, लीला मिश्रा, श्यामा की फिल्म; अबोध; पुत्र; बच्चा; लड़का (3)

7. ब्रिगेडियर से वरिष्ठ एवं लेफ्टिनेंट जनरल से कनिष्ठ अधिकारी (3,4)
9. दिल्ली के उत्तर पूर्व में स्थित एक प्राचीन नगर; भारतीय सेना का एक छावनी नगर जहां के शहीद स्मारक परिसर में स्थित है मंगल पांडे की मूर्ति (3)
11. रेशम का बना हुआ; रेशम का; रेशम के समान; रेशम सा (3)
12. 1973 से असम की राजधानी; असम के कामरूप जिले में स्थित एक नगर; गुवाहाटी के एक सिरे पर बसा एक नगर (4)
14. यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर कालका-शिमला रेल मार्ग पर स्थित इस स्टेशन से पहले है इस मार्ग की सबसे लंबी सुरंग जिसकी लंबाई 1,143.61 मीटर है (3)

- हरीश चन्द्र सन्सी
प्रस्तुति: विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0575



रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

क्या आप जानते हैं?

ए

लन टूरिंग
कंप्यूटर कोडिंग
के जनक माने
जाते हैं। द्वितीय

विश्वयुद्ध के समय जर्मनी सेना के द्वारा भेजे गये कूट सन्देश को डिकोड करने का काम एलन टूरिंग करते थे।

मजेदार बात यह है कि टूरिंग एक धावक भी थे और लंदन के किंग्स कॉलेज में दाखिले के बाद उन्होंने दौड़ने के प्रति अपना रुझान दिखाना शुरू किया। वे कैंब्रिज से एली तक रोज दौड़कर आते-जाते थे जिसकी दूरी करीबन 50 किमी. थी। नेशनल फिजिक्स लैब में नौकरी करने के बाद तो उन्होंने अपने दौड़ने की गति में जबरदस्त सुधार किया। वे रॉकेट की तरह आवाज करते हुए सरपट दौड़ लगाते थे और जब तक कोई उन्हें कुछ कहे, वे आंखों से ओझल हो जाते। एक बार जब उनसे पूछा गया कि वे इतना क्यों दौड़ते हैं तो उन्होंने कहा - मेरी नौकरी मुझे मानसिक रूप से काफी थका देती है और इसी तनाव को दूर करने के लिए मैं दौड़ता हूँ, जिससे मैं शारीरिक रूप से भी थक जाऊँ।

पढ़ने के लिए एक विशेष ललक चाहिए और कोई भी मुश्किल आपके हाँसले के आगे झुका नहीं सकती। इसकी मिशाल आपको पीटर रामोस के जीवन में देखने को मिलेगी। 1558 में पैदा हुए रामोस के पिता सड़क बनाने का काम करते थे और इनकी कमाई इतनी नहीं थी कि घर में खुशहाली हो। इसी बीच रामोस के पिता की मृत्यु हो गई, जिसके बाद तो परिवार पर आफत ही आ गयी। पढ़ने-लिखने के शौकीन रामोस पेरिस आ गये पर गरीबी इतनी थी कि कोई काम नहीं मिलने से उन्हें अपने घर वापस जाना पड़ा। रामोस ने अपनी जिजीविषा बनाई रखी। 12 साल के रामोस को एक अमीर छात्र के पास खाना बनाने की नौकरी मिल गयी। रामोस दिन में घरेलू काम-काज करते और रात में अपनी पढ़ाई करते। इसी तरह के छोटे-छोटे कार्यों को करते हुए रामोस ने अपनी मास्टर तक की पढ़ाई पूरी की और गणित के प्राध्यापक बन गये।



ऊँचाई किसे अच्छी नहीं लगती। सफलता के बाद उस स्वाद को दुनिया तक बिना किसी लालच के पहुंचाना ही वास्तव में शिक्षा को आगे बढ़ाने का काम करती है।

13 जून 1966 को जन्मे ग्रीगोरी पेरलमन एक रूसी गणितज्ञ हैं जिन्हें रीमान ज्यामिति, टोपोलॉजी पर काम करने के लिए हम जानते हैं। 1996 में यूरोपियन गणित संघ द्वारा दिया जाने वाला पुरस्कार इन्होंने यह कह कर लेने से मना कर दिया कि वे इस पुरस्कार को लेने के योग्य नहीं हैं। 2006 में इन्हें फील्ड मैडल के लिए चुना गया पर, उन्होंने इस पुरस्कार को लेने से यह कह कर मना कर दिया कि मैं पैसे या शोहरत का भूखा नहीं हूँ और मैं चिड़ियाघर के जानवरों की तरह प्रदर्शनी में विश्वास नहीं रखता। यहां यह जानना आवश्यक है कि फील्ड मेडल को गणित के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार कहा जाता है और यह 40 वर्ष से कम उम्र के गणितज्ञों को उनके मौलिक शोध के लिए दिया जाता है। इतनी ऊँचाई वाले पुरस्कार को पाना लोगों का सपना होता है पर, ऐसे पुरस्कार को पाकर उसे ठुकरा देने का साहस विरले के अंदर होता है।

2010 में पोइंकारे अनुमान पर अपनी खोज के लिए इन्हें पहला क्ले मिलेनियम पुरस्कार के लिए चयनित किया गया परंतु एक मिलियन डॉलर के इस पुरस्कार को लेने से पेरलमन ने मना कर दिया और साथ ही उन्होंने चयन समिति के निर्णय पर ही प्रश्न चिन्ह लगा दिया क्योंकि उनकी नजर में उनकी खोज रिचर्ड एस हैमिल्टन की खोज की तुलना में नगण्य है। सफलता के साथ जब व्यक्ति के जीवन में एक ठहराव आ जाये तो बाहरी आडम्बर, पुरस्कार, अखबार में नाम के लिए ललक ये सब गौण हो जाते हैं और शोध का एक ही उद्देश्य हावी रहता है - मानवता की सेवा क्योंकि इससे बढ़कर जीवन में कुछ भी नहीं है।

-डॉ. राजेश कुमार ठाकुर

INTERNSHIP ALERT

UI/UX डिजाइन इंटरनशिप

कंपनी - फर्स्ट रेन

कहां - वर्क फ्रॉम होम

वेतन - 10,000 रुपये प्रति माह

यहां करें आवेदन- <https://bit.ly/AU-0277>

आवेदन की अंतिम तिथि-16 अक्टूबर 2021

वेब डेवलपमेंट इंटरनशिप

कंपनी - टॉकिंग पिक्सेल्स

कहां - वर्क फ्रॉम होम

वेतन - 10,000-15,000 रुपये प्रति माह

यहां करें आवेदन- <https://bit.ly/AU-0278>

आवेदन की अंतिम तिथि-16 अक्टूबर 2021

कोर्स डेवलपमेंट (ब्लॉकचैन) इंटरनशिप

कंपनी - टूटडूड

कहां - वर्क फ्रॉम होम

वेतन - 8,000 रुपये प्रति माह

यहां करें आवेदन- <https://bit.ly/AU-0279>

आवेदन की अंतिम तिथि-16 अक्टूबर 2021

टीचिंग (कंप्यूटर साइंस) इंटरनशिप

कंपनी - मायमेगामाईंडस

कहां - वर्क फ्रॉम होम

वेतन - 8,000 रुपये प्रति माह

यहां करें आवेदन - <https://bit.ly/AU-0280>

आवेदन की अंतिम तिथि-16 अक्टूबर 2021

कंटेंट राइटिंग इंटरनशिप

कंपनी - घावी

कहां - वर्क फ्रॉम होम

वेतन - 5,000-10,000 रुपये प्रति माह

यहां करें आवेदन - <https://bit.ly/AU-0281>

आवेदन की अंतिम तिथि-16 अक्टूबर 2021

वेब डेवलपमेंट इंटरनशिप

कंपनी - ब्लूहैश टेक्नोलॉजीस

कहां - लखनऊ

वेतन - 18,000 रुपये प्रति माह

यहां करें आवेदन- <https://bit.ly/AU-0282>

आवेदन की अंतिम तिथि-16 अक्टूबर 2021

कंटेंट राइटिंग इंटरनशिप

कंपनी - यूस्टेबल

कहां - लखनऊ

वेतन - 2,000 रुपये प्रति माह

यहां करें आवेदन- <https://bit.ly/AU-0283>

आवेदन की अंतिम तिथि-16 अक्टूबर 2021



SCHOLARSHIP ALERT

निकॉन स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2021-22

विवरण :

निकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड फोटोग्राफी कोर्स की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों (कक्षा 12 उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों) से छात्रवृत्ति आवेदन आमंत्रित करती है। यह छात्रवृत्ति कार्यक्रम उन विद्यार्थियों को सहायता प्रदान करने के लिए है, जिन्हें फोटोग्राफी की पढ़ाई जारी रखने के लिए वित्तीय समस्याएं पेश आ रही हैं।

मानदंड :

12वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी जो 3 महीने या उससे अधिक की अवधि वाले फोटोग्राफी पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रहे हैं। विद्यार्थी के परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये प्रति वर्ष से कम होनी चाहिए।

इनाम/लाभ : चुने हुए विद्यार्थियों को 1 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।

अंतिम तारीख : 30 सितंबर, 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/NSP5

Admission Alert

दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग

कोर्स, योग्यता एवं अवधि:

A. ट्रेड डिप्लोमा इन हेल्थ सेफ्टी एंड एन्वायरन्मेंट- 18 माह
योग्यता: 10+2 (बीटीई, दिल्ली सरकार)

B. सर्टिफिकेट कोर्स इन फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट- 1 वर्ष

योग्यता: 12वीं पास (बीटीई, दिल्ली सरकार)

C. सर्टिफिकेट कोर्स इन फायर फाइटिंग - छह माह

योग्यता: 10वीं पास (बीटीई, दिल्ली सरकार)

D. सर्टिफिकेट कोर्स इन फायर टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट- तीन माह

आवेदन प्रक्रिया

दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फायर इंजीनियरिंग, दिल्ली से प्रोस्पेक्टस और आवेदन फॉर्म 300 रुपये शुल्क देकर प्राप्त कर सकते हैं।

पता- G-579, राजनगर, पार्ट-2, निकट दादा देव मंदिर सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली-110077, Tel: 9312245493

अंतिम तारीख: 25 सितंबर, 2021

E-mail: contactdife@gmail.com

website: www.dife.in

कोविड क्राइसिस(ज्योति प्रकाश)

सपोर्ट स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2021

विवरण : कोविड क्राइसिस(ज्योति प्रकाश) सपोर्ट स्कॉलरशिप प्रोग्राम का उद्देश्य उन बच्चों की पढ़ाई में मदद करना है जो कोरोना के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे हों और उनकी आगे की पढ़ाई के लिए बहुत कम या कोई आर्थिक मदद नहीं है।

मानदंड: यह स्कॉलरशिप कक्षा एक से स्नातक तक के भारतीय छात्रों को जा रही है। वे निम्नलिखित में से किसी भी संकट की स्थिति से गुजर रहे हों, जैसे - जनवरी 2020 से उनके माता-पिता/परिवार का कमाने वाले सदस्य जीवित न हों या परिवार के कमाने वाले सदस्य की नौकरी/रोजगार न हो। छात्रों ने एडमिशन लिया हो और अपनी शिक्षा जारी रखना चाहते हों। ऐसे अभ्यार्थी ही स्कॉलरशिप पाने के पात्र होंगे।

इनाम/लाभ: 30,000 रुपये तक प्रति वर्ष और मेंटरशिप लाभ

अंतिम तिथि: 30 सितंबर, 2021

आवेदन कैसे करें: इसके लिए ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक: www.b4s.in/au/CCSP1



एनएसपी फाउंडेशन ऑफ एलएसडीएम वर्कर्स एडुकेशन ऑफ द एलएसडीएम वर्कर्स

विवरण : एनएसपी फाउंडेशन ऑफ एलएसडीएम वर्कर्स ऑफ द एलएसडीएम वर्कर्स- प्री मेट्रिक 2021-22 कक्षा 1 से 10 तक के बच्चों के लिए एक पहल है। इस स्कीम का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई बच्चा लेबर के रूप में किसी खतरनाक सेक्टर में काम ना करे।

मानदंड: यह स्कॉलरशिप उन उम्मीदवारों के लिए है, जिन्होंने पहली कोशिश में अपनी पिछली परीक्षा पास की है और सरकारी / सरकारी मान्यता प्राप्त स्कूल में कक्षा 1 से 10 तक में दाखिला लिया है। उम्मीदवार केवल तभी लाभ प्राप्त कर सकते हैं जब आवेदकों के एक या दोनों माता-पिता बीड़ी वर्कर, आयरन ओर (लौह अयस्क), मैंगनीज और क्रोम ओर खदान, चूना पत्थर और डोलोमाइट खदान (एलएसडीएम), सिने वर्कर के रूप में कम से कम पिछले छह महीने से काम कर रहे हों और उनके परिवार की मासिक आय सभी स्रोतों से ₹ 10,000 से कम है, सिने श्रमिकों के मामले में, पारिवारिक आय ₹ 8,000 प्रति माह या ₹ 1,00,000 प्रति वर्ष से कम होनी चाहिए।

इनाम/लाभ: रुपये 1,840 तक

अंतिम तिथि : 15 नवंबर, 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक: www.b4s.in/au/LEP6